मम्मी चुद गई फार्म हाउस पर-1

“मेरे मम्मी पापा का तलाक हो गया था. एक दिन मम्मी मुझे दिल्ली घुमाने के लिए सुबह सुबह निकल पड़ी लेकिन रास्ते में ही एक अंकल ने हमें अपनी कार में बिठाया और … …”

Story By: fehmina iqbal (fehmina)
Posted: Wednesday, March 18th, 2020
Categories: हिंदी सेक्स स्टोरी
Online version: मम्मी चुद गई फार्म हाउस पर-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मम्मी चुद गई फार्म हाउस पर-1

 यह कहानी सुनें

दोस्तो, मैं फेहमिना एक बार फिर आप सबके सामने अपनी नई कहानी लेकर हाजिर हूँ। आप सबने मेल के जरिये अपना बहुत सारा प्यार मुझे दिया इसके लिए आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद।
आज की यह कहानी मुझे मेरे एक प्रशंसक ने भेजी है तो आइये और कहानी का मज़ा लीजिये।

इस साइट के सभी पाठकों का मेरी इस सेक्स कहानी में स्वागत है। मैंने इस साइट की लगभग सभी कहानी को पढ़ा है। मुझे सभी कहानी बेहद अच्छी लगी। उनको पढ़ने के बाद मैं आपके लिए एक ऐसी कहानी लेकर आया हूँ जिसे मैंने अपनी आँखों के सामने होते हुए देखा था।

यह कहानी वैसे दो साल पुरानी है लेकिन मेरे सामने जब भी वो दिन याद आता है तो मुझे ऐसा लगता है कि यह कल की ही बात है।

हम लोग हरियाणा में झज्जर के रहने वाले हैं. तब मेरी मम्मी की उम्र 34 साल और मम्मी का फिगर करीब 34 30 36 होगा. पता नहीं किस बात पर मेरी मम्मी और पापा का तलाक हो गया. मैं अपनी मम्मी के साथ रहने लगा. मेरी मम्मी का नाम समीक्षा है. मम्मी को पापा से बहुत सारा पैसा और घर मिला था तलाक के बाद. हम लोग मजे से रह रहे थे.

मम्मी और पापा का तलाक़ हुए अभी कुछ दिन ही हुए थे कि एक दिन जब मैं कोचिंग से लौटा तो एक आदमी हमारे घर आया हुआ था जो 35-40 साल का होगा. वो बहुत स्मार्ट

था और अमीर भी दिख रहा था.

मम्मी ने उससे मेरा परिचय कराया कि ये बहादुरगढ़ से आये हैं. तुम्हारे मामा के दोस्त हैं. मेरे मामा का घर बहादुरगढ़ के पास ही बादली में है. मम्मी बहुत खुश दिख रही थी उस दिन.

कुछ दिन बाद मम्मी ने कहा कि हम लोग दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर घूमने जा रहे हैं.
मैं बहुत खुश हुआ.

महीने के दूसरे शनिवार मेरी छुट्टी थी तो उस दिन का प्रोग्राम बना था.

तय दिन पर सुबह सात बजे ही हम बस से निकल पड़े. लेकिन मुझे हैरानी हुई जब मम्मी ने बहादुरगढ़ तक की टिकेट ली.
हम दोनों आठ बजे बहादुरगढ़ पहुँच गए.

कुछ ही मिनट में एक कार हमारे पास आकर रुकी. उसका दरवाजा खुला और अंदर से वही मामा के दोस्त अंकल ने हमें गाड़ी में बैठने के लिए कहा. मम्मी ने मुझे पीछे बैठने को कहा और मम्मी खुद आगे अंकल के बराबर में बैठ गयी.
मम्मी ने मुझे अब बताया कि हम इनके साथ ही घूमने जा रहे हैं.

हम लोग दस बजे से पहले ही अक्षरधाम मंदिर पहुँच गये। वहाँ हम लोगों को घूमते घूमते काफी देर हो गयी। जब हम लोग रात का फाउंटेन शो देख कर मंदिर से निकले तो शाम के आठ बज चुके थे.
हम फिर से अंकल गाड़ी में बैठ गए।
मैं पीछे वाली सीट पर बैठ गया और मम्मी आगे वाली सीट पर बैठ गयी।

मैंने रास्ते में देखा कि वो अंकल मेरी मम्मी के हाथ को पकड़े हुए थे। मैं तभी समझ गया

कि आज कुछ गड़बड़ होने वाली है।
रास्ते में एक ढाबे पर रुक कर हम तीनों ने खाना खाया और दस बजे के करीब हम बहादुरगढ़ पहुँच गए थे.

तब अंकल ने बताया कि अगर वे हमें झज्जर छोड़ने गए तो बुत देर हो जायेगी.
उन्होंने बताया कि यही बहदुर्बध से बादली रोड पर उनका एक फार्महाउस है. रात को वहीं रुकते हैं. सुबह को वे हमें झज्जर जाने वाली में बैठा देंगे.

हम लोगों के पास और कोई उपाय नहीं था क्योंकि अब बस तो मिलने से रही।
पर मेरी मम्मी तो तुरंत उनके साथ उनके फार्म हाउस पर चलने के लिए तैयार हो गयी।

हम लोग उसके बँगले पर पहुंचे तो मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। अंकल ने गेट खोल के गाड़ी को गैरेज़ में लगा दिया। मेन गेट बंद करके वो हम लोगों को लेकर अंदर गये।

मैंने देखा कि कुछ देर के बाद मम्मी ने अपने कपड़े को बदल कर नाइटी पहन ली थी. यह नाइटी उसी अंकल ने दी होगी.
और उस अंकल ने लुंगी पहन ली।

अब उस अंकल ने मुझे और मम्मी को एक कमरे में बिस्तर पर सोने को कहा. अंकल दूसरे कमरे में सोने चले गए।

लगभग एक घंटे के बाद मैंने अपने कमरे के दरवाजे को बंद होते हुए देखा। मैंने देखा कि मम्मी कमरे से बाहर गयी हैं। मैं समझ गया कि अब मम्मी उन अंकल के कमरे में गयी होंगी.
मैं भी उठ कर बाहर गया और अंकल के कमरे की तरफ गया. कमरे का दरवाजा उढ़का हुआ था पर बीच में दरार से अंदर का नजारा साफ़ दिखायी दे रहा था क्योंकि अंदर लाईट जली

हुई थी.

मैं समझ गया कि अब यहाँ कोई खेल होने वाला है।

मैंने देखा वो मम्मी उन अंकल के बिस्तर पर जाकर बैठ गयी. अंकल पहले से ही बैठे हुए थे. अंकल मेरी मम्मी के पास सरके और मम्मी को कुछ देर तक देखते रहे।
मैंने देखा कि अंकल ने मम्मी के कंधों पर हाथ रखे और उनके होंठों पर अपने होंठ रख दिए.
मम्मी मुस्कुराती हुई बोली- आप यह क्या कर रहे हैं ?
तो वो अंकल हंसते हुए बोले- वही जो एक आदमी को एक औरत के साथ करना चाहिए ! और क्या ?

मम्मी बोली- मैं तो आपके दोस्त की बहन हूँ ना … तो आपकी भी तो बहन ही हुई ना ? हम दोनों के बीच ये गलत है।
तो वो बोला- साली कुतिया … ये क्या नाटक कर रही है ?
मम्मी हंसने लगी.
मैं समझ गया कि इन दोनों का बहुत पुराना याराना है.

फिर अंकल ने मम्मी के दोनों पैरों को पकड़कर बिस्तर पर खींच लिया और मम्मी के ऊपर आकर लेट गया. अंकल ने मम्मी को किस करना शुरू कर दिया. लेकिन मम्मी हंसती हुई अपना चेहरा बार-बार उसके मुंह से हटा रही थी जैसे वो किस नहीं करना चाहती थी. लेकिन वह मान ही नहीं रहा था.

फिर उसने जोर से मम्मी का चेहरा पकड़ा और उनको जोर जोर से किस करने लगा. अब धीरे-धीरे मम्मी ने भी किस्सिंग का मजा लेना शुरू कर दिया था.

अब उसने धीरे-धीरे मम्मी के बूब्स को दबाने शुरू कर दिया आप वह नाइटी के ऊपर से मम्मी के बूब्स को निचोड़ रहा था और किस किया जा रहा था. अब धीरे-धीरे मम्मी को भी मज़ा आना शुरू हो गया था क्योंकि मम्मी ने भी बहुत दिन से लंड नहीं लिया था.

धीरे-धीरे अंकल ने मम्मी की नाइटी को उनकी जांघों से ऊपर सरकाना शुरू कर दिया. मम्मी ने अंदर लाल कलर की पैंटी की पहनी हुई थी, वह दिखाई देने लगी. फिर उसने नाइटी को पूरा निकालना चाहा लेकिन मम्मी ने मुस्कुराते हुए उसको रोक दिया.

लेकिन फिर उसने मम्मी के दोनों हाथों को पकड़कर जोर से साइड में किया और फिर से उनके ऊपर लेट करने जोर जोर से किस करना शुरू कर दिया. वह जैसे पागल सा हो गया था, उसने मम्मी की होठों को काटना भी शुरू कर दिया.

अब वह फिर से मम्मी की नाइटी को उतारने लगा. अबकी बार मम्मी का विरोध नहीं था, उन्होंने खुद ऊपर उठकर अपनी नाइटी को उतारने में मदद की. अब मेरी मम्मी उसके सामने ब्रा और पैंटी में लेटी हुई थी.

मम्मी को ऐसे लेटा हुआ देखकर उसने ब्रा के ऊपर से ही मम्मी के बूब्स दबाने शुरू कर दिए और दूसरे हाथ से उनकी जांघें सहलाना शुरू कर दिया.

यह देखकर मुझे सुरसुरी चढ़नी शुरू हो गई और अचानक कि मेरा हाथ अपने लंड पर चला गया. मैंने अपना लंड अपनी पैंट से बाहर निकाल लिया और उसको धीरे-धीरे हिलाने लगा.

मम्मी ने भी अंकल को किस करना शुरू कर दिया था. फिर उसने अपना हाथ मम्मी की गांड के ऊपर रखा कर सहलाना शुरू कर दिया.
फिर उसने मम्मी का हाथ पकड़कर अपने लंड पर रखा लेकिन मम्मी ने हाथ हटा लिया. उसने फिर से मम्मी का हाथ अपने लंड पर रखा और जैसे ही मम्मी दुबारा हटाने वाली थी,

उसने हटाने नहीं दिया, मम्मी के हाथ से अपने लंड को दबा दिया.

अंकल ने अपना पजामा उतार दिया और वह पूरा नंगा मम्मी के ऊपर लेटा हुआ था.

फिर अंकल ने मम्मी को उल्टा कर दिया उनकी पीठ को चाटने लगा. फिर उसने मम्मी की ब्रा का हुक खोल दिया और ब्रा उनके जिस्म से अलग कर दी. मैंने पहली बार मम्मी को बिना ब्रा के देखा था.

अब वो मम्मी की गांड के ऊपर बैठ गया और उनके गले पर किस करने लगा. फिर उसने धीरे-धीरे नीचे जाकर मम्मी की पैंटी भी उतार दी. अब मम्मी उसके सामने नंगी पड़ी हुई थी. उसने मम्मी को ऐसे ही उल्टा किया हुआ था.

फिर अंकल ने मम्मी की गांड को फैलाया और गांड के छेद को चाटना शुरु कर दिया. फिर उसने मम्मी को सीधा किया और अब उनके बूब्स चूसने शुरू कर दिया.

इसके बाद अंकल ने उठकर मम्मी को अपना लन्ड चूसने के लिए बोला जिसके लिए मम्मी ने मना कर दिया. लेकिन अंकल ने उनके होंठों पर लन्ड लगा दिया और धक्के देना शुरू कर दिया जिससे लन्ड मम्मी के मुंह में चला गया. अब अंकल ने मम्मी के मुंह में धक्के मारना शुरू कर दिया.

थोड़ी देर तक वो मम्मी के मुंह में ऐसे ही धक्के मारता रहा. फिर उसने मम्मी को उठाकर अपने ऊपर ले लिया और दोनों 69 की पोजीशन में आ गये. अब अंकल मम्मी की चूत चाट रहा था और मम्मी उसका लंड चूस रही थी.
मम्मी को देखकर लग रहा था कि उनको पूरा मजा आ रहा है.

फिर उसने थोड़ा सा थूक निकालकर मम्मी की गांड पर लगाया और गांड चाटनी शुरू कर दी. अब फिर उसने अपनी उंगली मम्मी की गांड में डाल दी जिससे मम्मी चीखी.

मम्मी को देखकर लग रहा था कि उन्हें दर्द हो रहा है. फिर उसने एक उंगली जोरों से मम्मी की गांड में करनी शुरू कर दी. मम्मी के मुंह से धीरे-धीरे सिसकारियां निकल रही थी लेकिन उन्हें देखकर लग रहा था कि अब उनको भी मजा आना शुरू हो गया है.

फिर उसने मम्मी को सीधा खड़ा किया और मम्मी की चूत फिर से चाटनी शुरू कर दी. कुछ देर मरी मम्मी की चूत को अच्छे से चाटने के बाद अंकल ने मम्मी को लिटाया और अपना लंड मम्मी की चूत से लगा दिया. लेकिन अंकल ने मम्मी की चूत में लंड को नहीं डाला. वह अपने लंड को मम्मी की चूत के ऊपर ही सहला रहा था.

अब मेरी मम्मी को कंट्रोल करना मुश्किल हो रहा था तो उन्होंने कहा- जल्दी से डालो यार … मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है.
तभी अंकल ने लंड एक झटके में मम्मी की चूत में उतार दिया. मम्मी बहुत जोर जोर से ‘आआअह … आआ … ऊऊऊह आआऔऊऊ ईईईई करके चीखी क्योंकि शायद मेरी मम्मी बहुत दिनों के बाद चुदाई कर रही थी. शायद ये घूमने का प्रोग्राम, फिर देर से लौटना, फार्म हाउस में रुकने का प्रोग्राम पहले से ही तय था और मम्मी ने अपनी चुदाई के लिए ही यह प्रोग्राम बनाया था.

फिर अंकल ने लगातार मेरी मम्मी की चूत में जोर जोर से झटके मारने जारी रखे.
मम्मी भी ‘बस रुक जाओ … ऐसे जोर से मत चोदो !’ कह कर रही थी.

लगभग 10 मिनट की चुदाई के बाद फिर उसने मम्मी को घोड़ी बना दिया और पीछे से उनकी चूत मारनी शुरू कर दी. लगभग 5 मिनट की चुदाई के बाद वह जैसे झड़ने को हुआ, उसने मम्मी की चूत में ही सारा पानी निकाल दिया और मम्मी को धक्का देकर आगे बिस्तर पर गिरा दिया और उनके ऊपर लेट गया.

3-4 मिनट बाद वो उठा और साइड में होकर लेट गया.

फिर उसने मम्मी को बालों से पकड़ कर उठाया और अपने लंड से उनका मुंह लगा दिया और उनको चूसने को बोला.
तो मम्मी ने अंकल का लंड चूसना शुरू कर दिया.

5 मिनट बाद ही अंकल का लंड फिर से खड़ा हो गया. उसने मम्मी को उल्टा लेटाया और मेरी मम्मी की गांड को फैलाने लगा.
मम्मी समझ गई कि अब उनकी गांड मारी जाने वाली है. मम्मी थोड़ा डर गई, उन्होंने बोला- नहीं … पीछे से मत करो, आगे से ही कर लो.
तो अंकल ने कहा- चुप बहन की लोड़ी … बहुत दिनों के बाद टू मेरे लंड के नीचे आयी है, आज तेरे हर छेद में लंड डालूंगा.

मम्मी उसे मना कर रही थी बार-बार … लेकिन वह तो जैसे सुन ही नहीं रहा था. उसने तो आज सोच लिया था कि वह आज मम्मी की गांड फाड़ कर ही रहेगा.

उसने मम्मी की गांड में लंड को लगाया और धक्का लगाया लेकिन लंड फिसल कर बाहर आ गया. वह समझ गया कि मम्मी की गांड बहुत टाइट है लंड ऐसे नहीं जाएगा. तभी उसने वहां पास रखे तेल के डिब्बे से तेल निकाल कर अपने लंड पर लगाया और मम्मी को वहीं बेड पर घोड़ी के जैसे बना दिया.

मम्मी उससे कह रही थी कि गांड मत मारो चूत में लंड डाल लो.
लेकिन वो सुन ही नहीं रहा था.

उसने थोड़ा सा तेल लेकर मम्मी की गांड के छेद में भी लगाया और एक उंगली मम्मी की गांड के अंदर डाल दी जिससे मम्मी की चीखी निकल गयी. वो जोर जोर से उंगली करने लगा.

फिर उसने अपने लंड को मम्मी की गांड के छेद में सेट करके एक जोरदार धक्का दिया तो लंड पर लगी चिकनी की वजह से लंड एक बार में गांड में घुस गया.
मम्मी जोर से आआआह ऊऊऊह हआआ औऊऊऊ ईईईई इसस आआ आआऊऊह हईईईई करके चीखती रही मगर वो तो जल्लाद बना मम्मी की गांड मारता रहा.

मम्मी बहुत जोर से चीख रही थी. ऐसा लग रहा था कि जैसे मम्मी की जान ही निकल जाएगी. लेकिन वह रुका नहीं और बहुत जोर जोर से धक्के मार रहा था. मम्मी की आंखों से आंसू निकल रहे थे लेकिन उस पर तो कोई असर हो ही नहीं रहा था.

फिर उसने मम्मी के बालों को पकड़ कर मम्मी की गांड चुदाई शुरू कर दी. मम्मी की हालत देखकर मैं डर ही गया था. लेकिन फिर मैंने देखा कि शायद अब मम्मी को मज़ा आना शुरू हो गया था.

उसने एक हाथ ले आगे ले जाकर मम्मी की चूत सहलानी शुरू कर दी. पीछे से वो गांड मार ही रहा था.

मेरी नंगी मम्मी की गांड चुदाई का यह सीन देख कर मेरा लंड फिर खड़ा हो गया. बीच में मम्मी के दर्द को देख कर मेरा लंड बैठ गया था. मैंने दोबारा मुट्ठी मारनी शुरू कर दी. अब वह जोर-जोर से मम्मी की गांड को मार रहा था.

फिर अंकल ने लंड मम्मी की गांड से बाहर निकाल कर चूत में डाल दिया और जोर से धक्के मारने शुरू कर दिए. फिर कुछ देर बाद उसने फिर से लंड चूत में से निकल कर गांड में डाल दिया और धक्के मारने शुरू कर दिए. 2 मिनट बाद वह मम्मी की गांड में ही झड़ गया.

फिर अंकल बेड पर लेट गये और मम्मी को अपने पास ही नंगी लिटा लिया. अपनी नंगी

मम्मी को देख कर मैं भी तभी झड़ गया.

दोस्तो, आपको यह सेक्स कहानी कैसी लग रही है ? आप मेल करके मुझे बता सकते हैं।
आप सबके मेल का इंतज़ार रहेगा।
fehminaiq111@gmail.com पर आप अपने विचार भेज सकते हैं।

कहानी का अगला भाग : मम्मी चुद गई फार्म हाउस पर-2

Other stories you may be interested in

ब्रा पैंटी वाले दुकानदार से चूत गांड चुदवा ली

नमस्कर दोस्तो, मैं बिन्दू देवी फिर से हाजिर हूँ. आपने मेरी पिछली इन्सेस्ट कहानी चचिया ससुर से चूत चुदाई औलाद के लिए पढ़ी. काफी लोगों ने इसे पसंद किया. धन्यवाद. लेकिन इस बार यह कहानी मेरी एक सहेली की है. […]
Full Story >>>

मैं और मेरी प्यासी चाची-2

हैलो फ्रेंड्स, कैसे हो ? आप सबको मनु वैभव के खड़े लंड का नमस्कार ! लड़कियों और भाभियों एवं चाचियों की बुर में गुदगुदी मचाने को एक बार फिर से मैं तैयार हूँ. आप सभी ने मेरी पहली कहानी 'मैं और मेरी […]
Full Story >>>

एक्स-गर्लफ्रेंड की शादी के बाद चुदाई-3

मेरी एक्स गर्लफ्रेंड की चुदाई की सेक्स स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि मैं पूरी तेजी से कोमल की चुदाई कर रहा था और वो भी चुदाई का पूरा मजा ले रही थी. अब आगे : कुछ देर बाद मैंने […]
Full Story >>>

मेरी भाभी सेक्स की पाठशाला-2

भाभी सेक्स कहानी का पिछला भाग : मेरी भाभी सेक्स की पाठशाला-1 अब मेरे सामने एक अलग ही नजारा था। जो मैंने संगीता का नजारा देखा था उससे हटकर नजारा भाभी का था भाभी की जांघें एकदम भरी हुई थी। फिर […]
Full Story >>>

एक्स-गर्लफ्रेंड की शादी के बाद चुदाई-2

अब तक की हिंदी सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि मैं अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड को चोदने के लिए उसके घर आ पहुंचा था. इस वक्त वो मेरी बांहों में मुझसे चुदने के लिए मचल रही थी. अब आगे : कुछ पल बाद […]
Full Story >>>